International Conference on Innovations in Science, Engineering, Management & Humanities
(ICISEMH – 2022)
24TH April, 2022, Hyderabad, Telangana, India

CERTIFICATE NO : ICISEMH /2022/ C0422451

ट्रांसजेंडर/हिजराओं के लिए सशक्तिकरण की आवश्यकता का अध्ययन

SOHAN KUMAR YADAV

Research Scholar, Department of Education,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P.

सारांश

यह बहुत ही अनुचित है कि हमारे देश की आजादी के 70 साल बाद भी टीजी/हिजरा के अधिकारों से वंचित किया जा रहा है और उनके खिलाफ पूर्वाग्रह अब तक जारी है। टीजी/हिजरा सबसे अधिक हाशिए पर रहने वाला, कमजोर और असतत सामाजिक समूह है। उन्हें मौखिक, शारीरिक, भावनात्मक और यौन शोषण के अधीन किया जाता है, जिसका उनके आत्म–सम्मान, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। अत्यधिक काम का बोझ, गरीबी, खराब शिक्षा, खराब स्वास्थ्य की स्थिति, आर्थिक संसाधनों तक पहुंच की कमी और उनके खिलाफ गहरा सामाजिक भेदभाव उनके जीवन को नरक बना देता है। उन्हें जेलों, स्कूलों और अस्पतालों में भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है, इसलिए उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में सशक्त बनाने की आवश्यकता है। वे पैसे की जबरन वसूली और जबरन यौन संबंध बनाने के आसान लक्ष्य हैं क्योंकि वे पुलिस द्वारा संरक्षित नहीं हैं।